Page No. PgC I

B.A I, Psychology (H)

22/02/2025 Paper II, Abnormal Psychology :-

Topic- Causes of Schizophrenia/ मनोविदालिता के कारण

(i) जैविक कारण - आनुवंशिकता (Heredity) मनोवैज्ञानिकों का ऐसा मानना है कि यदि माता-पिता में से कोई एक मनोविदालिता का शिकार है तो उनकी संतान में भी मनोविदालिता के लक्षण आ सकते हैं।

(ii) केन्द्रीय स्नायुमंडल (Central nervous system) - जब व्यक्ति के केन्द्रीय स्नायुमंडल में दोष आ जाते हैं तो व्यक्ति मनोविदालिता से ग्रसित हो जाता है।

(iii) शारीरिक बनावट - (Physical structure) मनोवैज्ञानिकों ने व्यक्ति की शारीरिक बनावट को भी मनोविदालिता का जैविक कारण माना है। शेल्डन एवं क्रेशमर के अनुसार यदि व्यक्ति एक्टोमॉर्फिक प्रकार की शारीरिक बनावट वाला होता है वह मनोविदालिता का शिकार हो सकता है।

(iv.) अंतःस्रावी ग्रंथी (Endocrine glands) जब व्यक्ति में शरीर की अंतःस्रावी ग्रंथियों द्वारा सामान्य से अधिक मात्रा में रस स्रावित होता है तो व्यक्ति में

मनोविदालिता के गुण आने की संभावना बढ़ जाती है।

(2.) मनोवैज्ञानिक कारण – माता-पिता का अनुचित प्रभाव तथा परिवार के सदस्यों का पारस्परिक संबंध भी बालकों में मनोविदालिता के लक्षण उत्पन्न कर सकते हैं। इसके साथ ही परिवार में अति संरक्षण, अति तिरस्कार, कठोर अनुशासन, आलोचक उग्र, नैतिक आदेश भी मनोविदालिता के कारण होते हैं। फ्रायड का मानना है कि अचेतन में छिपी यौन इच्छाओं के कारण व्यक्ति प्रतिगमन के माध्यम से अचेतन की असामान्य इच्छाओं की पूर्ति करता है जिससे उसमें मनोविदालिता के लक्षण उत्पन्न हो सकते हैं।

(3) सामाजिक-सांस्कृतिक कारण (Social Cultural Causes) – जिन लोगों का सामाजिक आर्थिक स्तर निम्न होता है उनमें मनोविदालिता के लक्षण प्रायः देखे जाते हैं। गाँवों में रहने वाले व्यक्तियों की अपेक्षा शहरों में रहने वाले व्यक्ति मनोविदालिता के अधिक शिकार होते हैं। क्योंकि उनकी अपेक्षाएं अधिक होती है गरीबी, भुखमरी, सामाजिक विघटन, असुरक्षा की भावना, सांस्कृतिक विभिन्नताओं को भी मनोविदालिता का कारण माना गया है।

Kumar Patel
Assistant professor
Department of Psychology
Maharaja College Ara